Aarti Shri Vrashbhanusuta Ki Radha Aarti Lyrics in Hindi English

Aarti Shri Vrashbhanusuta Ki Radha Aarti Lyrics in Hindi

आरती श्री वृषभानुसुता की,
मंजुल मूर्ति मोहन ममता की ॥

त्रिविध तापयुत संसृति नाशिनि,
विमल विवेकविराग विकासिनि ।
पावन प्रभु पद प्रीति प्रकाशिनि,
सुन्दरतम छवि सुन्दरता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की.. ॥

मुनि मन मोहन मोहन मोहनि,
मधुर मनोहर मूरति सोहनि ।
अविरलप्रेम अमिय रस दोहनि,
प्रिय अति सदा सखी ललिता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की.. ॥

संतत सेव्य सत मुनि जनकी,
आकर अमित दिव्यगुन गनकी ।
आकर्षिणी कृष्ण तन मनकी,
अति अमूल्य सम्पति समता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की.. ॥

। आरती श्री वृषभानुसुता की ।

कृष्णात्मिका, कृष्ण सहचारिणि,
चिन्मयवृन्दा विपिन विहारिणि ।
जगजननि जग दुखनिवारिणि,
आदि अनादिशक्ति विभुता की ॥
॥ आरती श्री वृषभानुसुता की.. ॥

आरती श्री वृषभानुसुता की,

मंजुल मूर्ति मोहन ममता की ॥

Aarti Shri Vrashbhanusuta Ki Radha Aarti Lyrics in English

Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki,
Manjul Murti Mohan Mamta Ki.

Trividh Taapyut Sansriti Nashini,
Vimal Vivekvirag Vikasini.
Pavann Prabhu Pad Preeti Prakashini,
Sundartam Chhavi Sundarta Ki.
 Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki..

Muni Man Mohan Mohan Mohini,
Madhur Manohar Moorti Sohani.
Aviral Prem Amrit Ras Dohani,
Priya Ati Sada Sakhi Lalita Ki.
 Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki..

Santat Sevy Sat Muni Janki,
Akar Amit Divyagun Ganki.
Aakarshini Krishna Tan Manki,
Ati Amulya Sampatti Samta Ki.
 Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki..

Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki.

Krishnatmika, Krishna Sahcharini,
Chinmay Vrinda Vipin Viharini.
Jagjanani Jag Dukh Nivarin,
Adi Anadi Shakti Vibhuta Ki.
 Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki..

Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki,
Manjul Murti Mohan Mamta Ki.

About Aarti Shri Vrashbhanusuta Ki Radha Aarti Bhajan in English

“Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki” is a beautiful devotional song dedicated to Goddess Radha, the beloved consort of Lord Krishna. This bhajan praises her divine beauty, grace, and purity, acknowledging her as the eternal symbol of love and devotion. Radha is revered as the embodiment of selfless love, and this aarti beautifully captures the essence of her divine qualities.

The lyrics describe Radha’s form as enchanting and captivating, with her image being sweeter than any other. It mentions her qualities of love and affection, including her ability to inspire divine love in the hearts of those who worship her. The aarti further praises Radha’s deep spiritual connection with Lord Krishna, calling her the one who is the source of Krishna’s joy and the sustainer of divine love.

The bhajan emphasizes Radha’s supreme virtues—compassion, devotion, and purity—and her role in guiding devotees towards spiritual awakening. It also highlights her significance as a goddess who dispels worldly suffering and brings spiritual enlightenment. Through the repetition of “Aarti Shri Vrishbhanu Suta Ki,” the devotees express their deep reverence for Radha and seek her blessings for love, peace, and spiritual fulfillment.

Overall, this aarti is a celebration of Radha’s divine beauty and love, inspiring devotees to cultivate devotion, selflessness, and purity in their lives.

About Aarti Shri Vrashbhanusuta Ki Radha Aarti Bhajan in Hindi

“आरती श्री वृशभानुसुता की” राधा आरती भजन के बारे में

“आरती श्री वृशभानुसुता की” एक दिव्य भजन है जो भगवान श्री कृष्ण की प्रिय राधा माता की स्तुति करता है। राधा जी को प्रेम, भक्ति और आत्मसमर्पण की देवी माना जाता है, और यह भजन उनके अनंत सौंदर्य, गुण और शक्ति का बखान करता है। राधा जी की आराधना से भक्तों को शांति, प्रेम और सच्ची भक्ति की प्राप्ति होती है।

इस आरती में राधा जी के रूप को अत्यंत मोहक और आकर्षक बताया गया है। उनके रूप की

सुंदरता, मधुरता और दिव्यता के साथ-साथ उनके प्रेम और समर्पण की महिमा का भी गुणगान किया गया है। राधा जी का प्रेम भगवान श्री कृष्ण के प्रति अनमोल है, और यह भजन राधा और कृष्ण के दिव्य प्रेम के बारे में भी बताता है।

भजन में राधा जी को "वृशभानु सुत" के रूप में पूजा गया है, जो श्री कृष्ण की अनन्य भक्त और उनकी परम साथी हैं। आरती में राधा जी की पूजा से जीवन में सुख, समृद्धि और आत्मिक उन्नति की कामना की जाती है। यह भजन भक्तों को राधा जी की भक्ति में लीन होने और उनके आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए प्रेरित करता है।

समाप्त रूप से, यह आरती राधा जी के दिव्य रूप, उनके गुण और उनके प्रेम को सम्मानित करती है, और भक्तों को राधा कृष्ण के प्रेम में समर्पित रहने की प्रेरणा देती है।